मूल्य 1 रु.
वर्षः 15 - अंक : 03, मुंबई, मंगलवार, 15 अप्रैल, 2025 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

DESI VILLAGE
RESTAURANT & CAFE
DUBAI

राज्यपाल से लेकर मुख्यमंत्री ने दी 'महामानव' को श्रद्धांजलि

चैत्यभूमि पर अनुयायियों का उमड़ा सैलाब

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भारत रत्न डॉ. बाबा साहब अंबेडकर की जयंती के अवसर पर विभिन्न संगठनों, विभिन्न राजनीतिक दलों व मंडलों ने सामाजिक व सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया। डॉ. बाबा साहब अंबेडकर के अनुयायी उनकी प्रतिमा पर श्रद्धांजलि देने के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटेंगे, इसीलिए कई स्थान पर मंडप बनाया गया है, स्टॉल्स के लिए अलग से जगह की व्यवस्था की गई है, क्षेत्र का सौंदर्यीकरण किया गया है और विशेष सजावट भी की गई है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

बुलढाणा में भीषण सड़क हादसा

बस और ट्रक के उड़े परखच्चे, 3 की मौत, कई यात्री घायल

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के बुलढाणा में एक भीषण सड़क हादसा हो गया है। मंगलवार सुबह मध्यप्रदेश परिवहन की बस और ट्रक में जोरदार भिड़ंत हुई है। इस हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई है। वहीं 20 से अधिक लोग बुरी तरह से घायल हैं। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती किया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। इस घटना के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल है। यह हादसा महराष्ट्र के बुलढाणा में खामगांव-नादुरा रोड पर हुआ है। यहां मध्य प्रदेश परिवहन की एक बस अचानक एक ट्रक से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रक और बस दोनों के आगे के हिस्से के परखच्चे उड़ गए। हादसे में 3 लोगों को की मौत हो गई है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

अगले 4 दिनों तक भारी बारिश की चेतावनी

मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। बेमौसम बारिश ने देश के विभिन्न भागों के साथ-साथ महाराष्ट्र को भी प्रभावित किया है और इसका सबसे अधिक असर किसानों पर पड़ा है। तैयार फसलों और बागों को भारी नुकसान हुआ है। अब भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने एक बार फिर अगले 4 दिनों तक भारी बारिश की चेतावनी दी है। मौसम विभाग के अनुसार इस दौरान पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत समेत महाराष्ट्र के कई जिलों में बिजली और तेज हवाओं के साथ भारी बारिश होने का अनुमान है। हवा की गति 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा रहने की उम्मीद है। विभाग ने कहा है कि कम दबाव की पट्टी बनने के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

मुंबईकरों को मिली बड़ी राहत

टैंकर संघ ने खत्म की हड़ताल, बैठक में हुआ फैसला

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के मुंबई में पानी को लेकर कुछ दिनों से गंभीर समस्या देखने को मिली है। मुंबई में जलापूर्ति करने वाले पानी टैंकरों के संघ ने नियमों में बदलाव के कारण अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी। यह मामला गंभीर होता गया और पानी की समस्या के बाद डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने खुद इस मामले में ध्यान दिया। 14 अप्रैल को दोपहर 4 बजे महानगर पालिका ने टैंकर संघ की बैठक बुलाई थी। इस बैठक में टैंकर संघ ने अहम फैसला लिया। मुंबई जल टैंकर संघ (एमडब्ल्यूटीए) ने अनिश्चितकालीन हड़ताल वापस लेने और तत्काल प्रभाव से जलापूर्ति बहाल करने की सोमवार को घोषणा की। (शेष पृष्ठ 3 पर)

एकनाथ शिंदे का बयान

इस मामले में डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने महानगरपालिका से बात की थी। एकनाथ शिंदे ने कहा था कि मैंने मुंबई कमिश्नर से बात की है और टैंकर मालिकों को भी कमिश्नर ने बताया है कि 15 जून तक नियम वही रहेंगे, कोई बदलाव नहीं होगा और टैंकरों के मालिकों और चालकों को भी कहा है कि पीने के पानी को पहुंचाने के लिए किसी बात का अड़ंगा न लगे। इसकी जिम्मेदारी सरकार लेगी। ये बात महानगरपालिका ने भी कह दिया है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

कभी हां, कभी ना!

फैसलों में अस्थिरता से क्या संदेश जाएगा? क्या ट्रंप प्रशासन के भीतर टैरिफ नीति पर गहरे मतभेद हैं और इसलिए परस्पर विरोधी फैसले लिए जा रहे हैं? इनके बीच अमेरिका के साथ-साथ दुनिया भर के कारोबारी अभूतपूर्व अनिश्चिय में फंसे हुए हैं।

अमेरिकी ट्रेजरी (बॉन्ड्स) के भाव में गिरावट से दबाव में आए डॉनल्ड ट्रंप ने आयात शुल्क युद्ध में कुछ रियायतें दीं, तो स्टॉक मार्केट कुछ संभला। लेकिन अगले ही दिन फिर गिरावट शुरू हो गई। कारण लोगों को यह अहसास होना था कि जैसे को तैसा टैरिफ को 90 दिन तक स्थगित किए जाने के बावजूद कई शुल्क जारी हैं। एक तो सभी देशों पर लगा 10 प्रतिशत टैरिफ जारी रहा। फिर ऑटो पुर्जों, स्टील, अल्यूमिनियम, और कनाडा एवं मेक्सिको से कई आयात पर लगाए गए शुल्क जारी रहे। चीन पर तो टैरिफ और बढ़ा दिया गया। इस बीच शनिवार को अचानक एलान हुआ कि चीन सहित सभी देशों से सेमी-कंडक्टर, स्मार्ट फोन, लैपटॉप आदि के आयात को शुल्क मुक्त किया जा रहा है। परंतु रविवार को अमेरिकी वित्त मंत्री हॉवर्ड लुटनिक ने कहा कि इन वस्तुओं पर जल्द ही नए टैरिफ का एलान होगा। साथ ही औषधि आयात पर भी शुल्क लगेंगे। उधर चीन से आयातित इन वस्तुओं पर 20 प्रतिशत टैरिफ जारी है। ऐसी अस्थिरताओं से क्या संदेश जाएगा? क्या ट्रंप प्रशासन के भीतर टैरिफ नीति पर गहरे मतभेद उभर गए हैं और इसलिए परस्पर विरोधी फैसले लिए जा रहे हैं? इनके बीच अमेरिका के साथ-साथ दुनिया भर के कारोबारी अभूतपूर्व अनिश्चिय में फंसे हुए हैं। कहा जाता है कि बाजार के लिए खराब नीति से भी ज्यादा हानिकारक अनिश्चितता होती है। अमेरिका के शेयर एवं बॉन्ड मार्केट के साथ-साथ डॉलर की कीमत भी इस अस्थिरता का शिकार है। कुछ घंटों के अंदर फैसलों को पलट देने की भारी कीमत वहां की वित्तीय व्यवस्था को चुकानी पड़ रही है। बड़े निवेशकों ने सार्वजनिक रूप से कहा है कि उन्होंने नहीं सुना कि दूसरे विश्व युद्ध के बाद से अमेरिकी नीति निर्णय में कभी ऐसी अव्यवस्था रही हो। चूंकि विश्व अर्थव्यवस्था में अमेरिका का प्रमुख स्थान है, इसलिए इस अनिश्चय का नुकसान बाकी देशों को भी हो रहा है। उधर व्यापार युद्ध का मुकाबला करने को संकल्पबद्ध खड़ा चीन दबाव बढ़ाता जा रहा है। महत्त्वपूर्ण खनिजों के निर्यात पर रोक का निर्णय उसने सोमवार से लागू कर दिया है।

आजादी चरखे से नही क्रातिकारियों के साहस से मिली
संत आर्य नरेश ने कहा कि गोरी सरकार आर्य समाज से डरती थी

कानपुर। आर्य महासम्मेलन मे बोलते हुए हिमाचल प्रदेश से आए विद्वान संत आचार्य आर्य नरेश ने कहा कि महिलाओं को वेद/गायत्री मंत्र पढने का अधिकार नही था।यह अधिकार महर्षि स्वामी दयानंद सरस्वती ने दिलाया।आज भी कई महंत कहते है कि महिलाओं को वेद मंत्र नही पढना चाहिए।वे सब कुंठित मानसिकता से ग्रसित है। लाजपत भवन में रविवार को आर्य समाज स्थापना के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जिला आर्य प्रतिनिधि सभा कानपुर द्वारा आयोजित आर्य महासम्मेलन मे आर्य वीर दल एवं आर्य वीरांगना दल की बालिकाओं ने दण्ड व तलवार बाजी का अद्भुत साहसिक प्रदर्शन कर जमकर तालियां बटोरी।दण्ड का पिरामिड बनाकर जब एक सेविका ने ऊपर खडे होकर ओम का ध्वज फहराया तो पूरा हाल भारत माता की जय के उद्घोष से गूंज उठा।आचार्य आर्य नरेश ने कहा कि देश की आजादी का सबसे पहले उद्घोष स्वामी दयानंद जी ने किया।उन्होंने कहा कि हमें गलत पढाया गया कि आर्य बाहर से आए जबकि आर्यों का सारे विश्व में राज था।दयानंद ने भारत के अंदर गौशालाओं की स्थापना की।गुरुकुल स्थापित करवाए। छूआछूत की समाप्ति करवाई।कन्या विधालय बनवाए। ऋषि

दयानंद पूरे विश्व को सनातन धर्म के नीचे लाना चाहते थे। उन्होंने कहा कि आजादी गांधी जी के चरखे से नही मिली। सरदार भगत सिंह, रामप्रसाद बिस्मिल, लाला लाजपतराय के अदम्य साहस से आजादी मिली।भारत विश्व की माता है।गौरी सरकार धोती से झुकती थी क्योंकि आर्य समाजी धोती पहनते थे।उन्होंने सफलता के पांच सूत्र बताते हुए कहा कि ओम का ध्यान, गौभक्त संस्कारी संतान,यज्ञ का अनुष्ठान, वेद का ज्ञान व राष्ट्र हित के लिए बलिदान करने से ही हम सफल होंगे।नारी शिक्षा एवं विधवा विवाह के लिए तथा छूआछूत जातिवाद, अंधविश्वास जैसी कुप्रथाओं को दूर करने के लिए आर्य समाज ने बडा संघर्ष किया। प्रो.डा.ज्वलंत कुमार शास्त्री ने कहा कि सनातन धर्म का मूल वेद है।इसलिए स्वामी दयानंद का उद्घोष था वेदों की और लौटो।वेद का प्रसार ही आर्य समाज का मुख्य उद्देश्य है।वेदों से विमुखता ही सारे अधर्मो का मूल है।आर्य वीर दल के प्रदेश संचालक पंकज शर्मा ने कहा कि आर्य वीर दल आर्य संस्कृति की रक्षा के लिए संकल्पबद्ध है।कोलकाता से पधारे कैलाश कर्मठ ने भजनों की शानदार प्रस्तुति कर सबको भक्ति सागर में डूबो दिया। सम्मेलन में समाज के प्रतिष्ठित लोगों को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इसके पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ यज्ञ से किया गया।वेदरत्न डा.श्रुतकीर्ति आर्य ने वेदमंत्रों द्वारा यज्ञ संपन्न कराया।कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधान चंद्रकांता गेरा ने की।संचालन मंत्री आनंद जी आर्य ने किया। प्रमुख रूप से अशोक आनंद, सुभाष आर्य, प्रकाश वीर आर्य, सुरेन्द्र कुमार गेरा, हरिश चंद्र कनोत्रा,अनिल चोपड़ा, सरला चौधरी, रोमा चौधरी, उदयवीर सिंह विवेक आर्य आदि रहे।

आखिर क्यों किया गया हेराल्ड कर्मियों के बकाया का भुगतान की कोशिश में फंड कमिश्नरों का तबादला, लिखा ईडी को पत्र

कानपुर। केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार होने के बाद भी प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस की साजिश सैकड़ों कर्मचारियों के हित के खिलाफ अपने इरादे में सफल हो गई। उसने भविष्य निधि के उन दो आयुक्तों का तबादला करा दिया जो कर्मचारियों के करोड़ों बकाया भविष्य निधि अंशदान जल्द से जल्द दिलाने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के समाचार पत्र नवजीवन, नेशनल हेराल्ड और कौमी आवाज की प्रकाशक संस्था एसोसिएटेड जनरल्स लिमिटेड (एजेएल) पर अपना शिकंजा सफलता पूर्वक कस चुके थे।

पीड़ित कर्मचारियों का दावा है कि अगर प्रकरणों को गंभीरता पूर्वक देख रहे क्षेत्रीय भविष्यनिधि आयुक्त प्रथम श्री नवीन कुमार कन्नौजिया व क्षेत्रीय भविष्यनिधि आयुक्त द्वितीय श्री मारूति नन्दन त्रिपाठी का अचानक तबादला नहीं कर दिया जाता तो अब तक उनके बकाया भविष्य निधि अंशदान की भुगतान की शुरूआत अवश्य ही हो चुकी होती। जिसके लिए वह लोग बीते 27 सालों से लगातार संघर्ष कर रहे थे। भविष्य निधि कार्यालय से जुड़े सूत्रों की माने तो दोनों भविष्य निधि आयुक्तों नवीन कनौजिया और मारुति नंदन त्रिपाठी का तबादला कांग्रेस के ही एमएलसी बताए जाने वाले एक बड़े नेता द्वारा करवाया गया। कांग्रेस के इस नेता की मोदी सरकार में भी बहुत मजबूत पकड़ बताई जाती है ,जिसके फलस्वरूप ही वह ए जे एल के कांग्रेसी मालिकानों के पक्ष में कर्मचारियों के खिलाफ दोनों भविष्य निधि आयुक्तों का तबादला कराने में सफल रहा। और अब अगर इसी संदर्भ में पीड़ित कर्मचारियों की बात करें तो अपने इसी बकाया भुगतान का इंतजार करते-करते अबतक 60 से अधिक कर्मचारी परेशान होकर मौत का भी शिकार हो चुके हैं जबकि 100 से अधिक कर्मचारी मृत्यु की ओर अग्रसर हैं। ए जे एल कर्मचारियों के लिए लगातार

जुझारू संघर्ष कर रहे हिन्द मजदूर किसान पंचायत के राष्ट्रीय सचिव व प्रदेश महामंत्री राकेशमणि पाण्डेय ने बताया कि क्षेत्रीय भविष्यनिधि आयुक्त नवीन कुमार कन्नौजिया और मारूती नन्दन त्रिपाठी द्वारा की गई प्रभावी कार्रवाई के चलते ही सारी आपत्तियों को निरस्त करते हुए 1993 से लेकर वर्ष 2005 के मध्य कर्मचारियों के अवशेष, भविष्यनिधि अंशदान एवं रू0 1989 से लेकर 2005 के मध्य दिये गये भुगतान रू0 40 माह का भविष्यनिधि कटौती और क्षतिपूर्ति का आकलन करके सेवायोजकों को नोटिस प्रेषित कर क्षेत्रीय भविष्यनिधि आयुक्त मारूती नन्दन त्रिपाठी अन्तिम रूप से सेवायोजकों को अभिलेखीय साक्ष्य के साथ भुगतान सुनिश्चित करने के भी निर्देश दे चुके थे, जिससे कर्मचारीगण अति उत्साहित थे लेकिन अब अचानक प्रवर्तन निदेशालय ईडी ने शिकंजा करते हुए धोखाधड़ी, गोलमाल और धन शोधन जैसे आरोपी की जांच में निकले निष्कर्ष के फलस्वरुप कर्मचारियों के देयों का लगभग 130 करोड़ हड़पने वाले और यंग इण्डिया को खुद ही खरीद कर खुद ही बेचने वाले एसोसिएटेड जनर्ल्स लिमिटेड के मालिकान और निधि ट्रस्ट की शेयर होल्डर रहीं सोनिया गांधी तथा राहुल गांधी यानी कांग्रेस की करोड़ों की संपत्ति जप्त करने की कार्यवाही शुरू करके एसोसिएटेड जनरल्स लिमिटेड के दर्जनों कर्मचारियों को उनके करोड़ों के बकाया भुगतान के मामले में पहले से और ज्यादा पीड़ित होने को भी मजबूर कर दिया है ,जिसके बारे में ए जे एल कर्मचारियों के हित में लगातार संघर्ष कर रहे वरिष्ठ श्रमिक नेता राकेश मणि पांडेय ने अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के निदेशक को भी लिखे पत्र में अवगत कराया है कि मेसर्स एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड कैसरबाग के अधीन 346 कर्मचारियों का लखनऊ व दिल्ली के प्रतिष्ठानों को बन्द करने के परिप्रेक्ष्य में लखनऊ स्थित कर्मचारियों को उपरोक्त प्रबन्ध तंत्र के विरूद्ध लगभग 14 करोड़ 87 लाख भुगतान अन्तर अवशेष है। जिसके लिए लखनऊ स्थित श्रम अधिनियम को तहत विभिन्न वाद भी योजित किये गये हैं। इस बारे में हेराल्ड कर्मचारियों के साथ लगातार बैठक भी कर रहे वरिष्ठ श्रमिक नेता राकेश मणि पांडे द्वारा प्रवर्तन निदेशालय निदेशक को लिखे गए पत्र के मुताबिक कर्मचारियों का वर्ष 1993 से लेकर 2005 की अवधि का कर्मचारियों का भविष्यनिधि अंशदान सेवायोजकों द्वारा पूर्णतया नहीं जमा किया गया है जो वर्तमान समय में 8 करोड़ से अधिक की धनराशि शेष है। देयों को वसूल कर सक्षम प्राधिकारी के माध्यम से कर्मचारियों को भुगतान कराने की गुजारिश निदेशक / अध्यक्ष ईडी से करते हुए श्रमिक नेता राकेश मणि पांडे द्वारा प्रेषित पत्र में यह भी लिखा गया है कि ईडी की कार्यवाहियों के चलते नेशनल हेराल्ड की परसम्पत्तियों को कब्जा किये जाने और किरायेदारी को भी वसूलने से कर्मचारियों की देनदारियों पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा,क्योंकि जब उक्त भुगतान के पश्चात वसूली कार्यवाही कर कर्मचारियों की देनदारियों का निपटारा होने की कगार पर है तो इसी बीच में ईडी की कार्यवाही ने कर्मचारियों के हितों पर कुठाराघात कर दिया है, क्योंकि अब इसी ईडी की कार्यवाही के बहाने सेवायोजक कर्मचारियों की देनदारियों से मुख मोड़ सकते हैं।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

पियुष गोयल ने नई दिल्ली में वाइब्रेंट बिल्डकॉन 2025 का उद्घाटन किया

भारत ने बिल्डिंग मटीरियल्स क्षेत्र में वैश्विक शक्ति के रूप में अपनी स्थिति प्रस्तुत की, 11.13 बिलियन यूएसडी का निर्यात और जीडीपी में 9% योगदान

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई/नई दिल्ली। नई दिल्ली के प्रतिष्ठित यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में वाइब्रेंट बिल्डकॉन 2025 का भव्य उद्घाटन हुआ, जिसमें केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पियुष गोयल और वाइब्रेंट बिल्डकॉन के ब्रांड एंबेसडर सुनील शेट्टी उपस्थित थे। वन नेशन, वन एक्सपो थीम के तहत आयोजित यह भव्य इवेंट एक अनूठी पहल है, जो सभी बिल्डिंग मटीरियल्स उद्योगों को एक ही प्लेटफॉर्म पर लाती है। यह मेला 16 अप्रैल 2025 तक चलेगा। वाइब्रेंट बिल्डकॉन 2025 भारत के निर्माण और बिल्डिंग मटीरियल्स क्षेत्र में तेजी से बढ़ते विकास को प्रदर्शित करता है और यह उद्योग के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण समय पर आयोजित हो रहा है। वर्ष 2024 में, सिरेमिक और बिल्डिंग मटीरियल्स क्षेत्र ने भारत के जीडीपी में 9% योगदान दिया था और देशभर में लगभग 5.1 करोड़ रोजगार उत्पन्न किए थे। कैपेक्सील के तहत, 2023-24 में बिल्डिंग और कंस्ट्रक्शन सेक्टर से निर्यात 11.13 बिलियन यूएसडी तक पहुंच गया था, और पिछले पांच वर्षों में औसत सालाना वृद्धि दर (सीएजीआर) 7.27% रही है, जिससे भारत को वैश्विक स्तर पर एक मजबूत खिलाड़ी के रूप में स्थापित किया है। 2024 से 2033 तक भारत का कंस्ट्रक्शन उद्योग 6% से अधिक सीएजीआर से वृद्धि करने की उम्मीद है,

जबकि 2011 से 2024 तक औसतन 2,528.80 बिलियन का जीडीपी योगदान हुआ है। वैश्विक स्तर पर, भारत रोजाना लगभग 21.6 मिलियन वर्ग मीटर सिरेमिक टाइल्स का उत्पादन करता है और 3.2 बिलियन यूएसडी मूल्य की सिरेमिक टाइल्स का निर्यात करता है, जो वैश्विक बिल्डिंग मटीरियल्स मार्केट में भारत की मजबूत उपस्थिति को प्रदर्शित करता है। इसके अतिरिक्त, भारत के पास दुनिया के कुल ग्रेनाइट संसाधनों का 20% हिस्सा है, जो इसे बिल्डिंग मटीरियल्स क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की दिशा में अग्रसर करता है।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पियुष गोयल ने कहा, वाइब्रेंट बिल्डकॉन एक उद्योग द्वारा संचालित एक्सपो है, जिसे सरकार से एक भी रुपया लिए बिना शुरू किया गया है, और इसे उन्होंने अद्वितीय उपलब्धि के रूप में बताया। उन्होंने आगे कहा, यह पहल भारत के बिल्डिंग मटीरियल्स उद्योग की शक्ति, एकता और आत्मनिर्भरता को प्रतिबिंबित करती है। उन्होंने यह भी कहा, 'पहला दिन, पहला शो अद्भुत रहा है, और मुझे पूरा विश्वास है कि यह एक्सपो अगले वर्ष 10 गुना बड़ा होगा। भारत कभी छोटी उपलब्धियों से संतुष्ट नहीं होगा - हम यहां अद्भुत निर्माण करने के लिए हैं। हमारा दृष्टिकोण स्पष्ट है: भारत का इन्फ्रास्ट्रक्चर दुनिया में नंबर वन होना चाहिए। वाइब्रेंट बिल्डकॉन की सफलता और इन्फ्रास्ट्रक्चर और बिल्डिंग मटीरियल्स सेक्टर की विशाल संभावनाओं को देखते हुए, भविष्य में इस एक्सपो के लिए एक ही स्थान पर्याप्त नहीं होगा।'

60 देशों, जिनमें यूएसए, यूके, यूएई, मेक्सिको, ब्राजील, और स्पेन सहित 700 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय खरीदारों ने एक्सपो का हिस्सा बनकर भारत की विशाल संभावनाओं का पता लगाने के लिए यहां हिस्सा लिया है। प्लाईवुड (1.48 बिलियन यूएसडी), नेचुरल स्टोन (1.90 बिलियन यूएसडी), और पेंट्स (280 मिलियन यूएसडी) के निर्यात में लगातार वृद्धि हो रही है, और इस तरह भारत बिल्डिंग मटीरियल्स निर्यात के लिए वैश्विक हब बनता जा रहा है। केवल पेंट और कोटिंग उद्योग का मूल्य 73,000 करोड़ है, और भारत का गोंद, चिपकनेवाला और रासायनिक क्षेत्र 2024 में 2.7 बिलियन यूएसडी से बढ़कर 2032 तक 5.5 बिलियन यूएसडी तक पहुंचने की संभावना है, जिसमें 9.2% सीएजीआर से शानदार वृद्धि हो रही है।

वाइब्रेंट बिल्डकॉन के निदेशकों श्री जितेन्द्र काथिरिया और श्री विजय आघरा ने अपना आभार व्यक्त करते हुए कहा, हम उद्योग के प्रतिसाद से अभिभूत हैं और वाणिज्य मंत्रालय और भारत सरकार का आभार व्यक्त करते हैं। यह पहली बार है जब एक एक्सपो ने पूरे बिल्डिंग मटीरियल्स एकोसिस्टम को एक ही छत के नीचे सफलतापूर्वक एकत्रित किया है। यह भारत की शक्ति, निर्यात के लिए तत्परता और उद्योग की एकता को पहले कभी नहीं देखे गए तरीके से प्रदर्शित करता है। यह इवेंट भारतीय निर्माताओं और विदेशी खरीदारों के बीच बड़े पैमाने पर बी२बी नेटवर्किंग, नवाचार प्रदर्शनी, और नीति-स्तरीय संवादों का गवाह बनेगा, जो मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को मजबूत करेगा।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

राज्यपाल से लेकर मुख्यमंत्री ने दी 'महामानव' को श्रद्धांजलि

महाराष्ट्र के राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की 134वीं जयंती पर मुंबई के चैत्यभूमि में उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार, विधान परिषद के अध्यक्ष राम शिंदे, राज्य कैबिनेट मंत्री आशीष शेलार और संजय शिरसाट ने भी मध्य मुंबई के शिवाजी पार्क में स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर के अंतिम विश्राम स्थल चैत्यभूमि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इससे पहले फडणवीस ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, एक प्रख्यात अर्थशास्त्री, सामाजिक न्याय के वैश्विक प्रतीक और भारतीय संविधान के जनक, भारत रत्न बाबासाहेब आंबेडकर को उनकी जयंती पर नमन। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शरदचंद्र पवार गुट की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने चैत्यभूमि पर डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए संवाददाताओं से कहा कि आंबेडकर ने देश का प्रशासन कैसे चलाया जाना चाहिए, इसकी आधारशिला रखी थी। उन्होंने कहा, सामाजिक न्याय और शिक्षा के प्रति उनका दृष्टिकोण आज भी देश का मार्गदर्शन करता है।

अगले 4 दिनों तक भारी बारिश की चेतावनी

पिछले कुछ दिनों से जारी बेमौसम बारिश, विशेषकर ओलावृष्टि ने राज्य में बागों को तबाह कर दिया है और किसानों को उनकी फसलों से वंचित कर दिया है। इस स्थिति के बावजूद मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि अगले 4 दिनों तक देश के कई हिस्सों में भारी बारिश जारी रहेगी। मौसम विभाग ने कुछ राज्यों के लिए विशेष अलर्ट जारी किया है। 15 और 16 अप्रैल को ओडिशा, असम, मेघालय और नागालैंड में गरज के साथ भारी बारिश की संभावना है और आईएमडी ने इसके लिए अलर्ट जारी किया है। नागरिकों को सलाह दी गई है कि जब तक आवश्यक न हो वे अपने घरों से बाहर न निकलें। इसी अवधि के दौरान मध्य प्रदेश, झारखंड और पश्चिम बंगाल में बारिश के साथ ओले गिरने की संभावना है।

बुलढाणा में भीषण सड़क हादसा

वहीं बस में सवार 20 यात्रियों को गंभीर चोटें आई हैं। सभी घाटलों को अकोला अस्पताल में भर्ती किया गया है। बुलढाणा से हादसे के बाद का एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में हादसे का भयानक मंजर देखा जा सकता है। हादसा इतना भयानक था कि ट्रक में रखी पूरी ईंटें सड़क पर बिखर गई। मध्य प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की प्राइवेट बस और ट्रक के बीच में टक्कर हुई है। हादसे की सूचना पर घायलों के परिजन भी अस्पताल पहुंच गए हैं। घटना से जुड़ी अन्य जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बस और ईंटों का परिवहन करने वाले ट्रक में आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोग मदद के लिए दौड़े और पुलिस को हादसे की जानकारी दी गई।

मुंबई को मिली बड़ी राहत

यह कदम बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) द्वारा निजी जल टैंकरों, कुओं और बोरवेल का नियंत्रण हासिल करने के लिए रविवार को आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 लागू किये जाने के बाद उठाया गया है। एमडब्ल्यूटीए महासचिव राजेश ठाकुर ने बताया, हमने अनिश्चितकालीन हड़ताल वापस लेने और मुंबई में जलापूर्ति तत्काल प्रभाव से बहाल करने का फैसला किया है। एमडब्ल्यूटीए ने टैंकरों को पानी की आपूर्ति करने वाले निजी कुओं के मालिकों द्वारा नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए बीएमसी की ओर से नोटिस जारी किए जाने के बाद 10 अप्रैल को हड़ताल शुरू की थी। इस हड़ताल के कारण मुंबई के इलाके प्रभावित हुए थे। इससे आवासीय सोसायटी, रेलवे और निर्माण परियोजनाओं के लिए जलापूर्ति प्रभावित हुई।

महाराष्ट्र साइबर ने म्यांमार नौकरी घोटाले में फंसे 60 भारतीयों को मुक्त कराया; कजाख नागरिक सहित 5 गिरफ्तार

मुंबई। महाराष्ट्र, गुजरात के पांच दर्जन युवकों को थाईलैंड और म्यांमार सीमा से बचाया गया, जहां उन्हें उच्च वेतन वाली नौकरी का वादा किया गया था और बाद में उन्हें प्रताड़ित किया गया। बाद में विदेश मंत्रालय की मदद से उन्हें बचाया गया। महाराष्ट्र साइबर विभाग, गोवा पुलिस, विदेश मंत्रालय और स्थानीय पुलिस म्यांमार में विद्रोहियों के नियंत्रण वाले क्षेत्र में साठ भारतीयों को डिजिटल गुलामी से बचाने में शामिल थे। तीन एफआईआर दर्ज की गईं, पांच सूत्रधार और आरोपी जिन्होंने उन्हें वहां पहुंचने में मदद की, उन्हें महाराष्ट्र और गोवा से गिरफ्तार किया गया, उन्हें पहले गोवा पुलिस ने गिरफ्तार किया था। पीड़ित, कुछ और आरोपी बन सकते हैं, अगर उन्होंने साइबर गुलामी नेटवर्क की मदद करने और उसे स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। महाराष्ट्र साइबर के एडीजीपी यशस्वी यादव ने कहा, भारत में यह पहली ऐसी बड़ी कार्रवाई है और वास्तविक आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है और पीड़ितों के इतने बड़े समूह को बचाया गया है। इन पीड़ितों ने अपनी दास्तां सुनाई, यातना का स्तर और यहां तक कि पासपोर्ट भी जब्त कर लिए गए। कुछ लोगों के नाखून भी उखाड़ दिए गए। ये लोग ऐसी जगह काम करते थे जहां हर जगह बंदूकधारी मौजूद थे, अगर आप इनकार करते तो वे आपको मार देते। और अगर आप काम नहीं करते तो अंग निकालने का डर हमेशा बना रहता है। थाईलैंड सीमा के पास दक्षिण-पूर्वी म्यांमार में म्यावाडी विद्रोहियों के नियंत्रण में है। उन सभी के पास स्वचालित राइफलें और एके47 बंदूकें हैं। आरोपियों में से एक कजाकिस्तान का नागरिक है, जिसकी जड़ें चीन में हैं और उसे गिरफ्तार कर लिया गया है, यादव ने कहा। सोशल मीडिया पर विदेशी नौकरियों का लालच देकर पीड़ितों से साइबर धोखाधड़ी करने को कहा गया महाराष्ट्र साइबर के एसपी हेमराज राजपूत ने कहा, साइबर गुलामी का यह रैकेट बड़े पैमाने पर चलाया जा रहा है। साइबर धोखाधड़ी करने के लिए उन्हें भर्ती किया गया था। पीड़ितों को लुभाने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर महिलाओं के रूप में चैट की शुरूआत की गई थी। वे विदेशी नौकरियों की तलाश कर रहे थे और इंस्टाग्राम और टेलीग्राम का इस्तेमाल कर रहे थे, बाद में उन्हें चैनल से जोड़ दिया गया। नौकरी की प्रोफाइल और योग्यता के आधार पर उनका ऑनलाइन साक्षात्कार हुआ, हवाई यात्रा के टिकट भी भेजे गए। वहां जल्दी पहुंचने और रिपोर्ट करने के लिए कहा गया, एक सामूहिक फोटो थाईलैंड या म्यांमार में भेजा गया, यह इस बात पर निर्भर करता है कि रैकेट कहां से संचालित होता है। हेमराज ने कहा, एयरपोर्ट से म्यांमार सीमा तक सात घंटे का सफर था। ऑनलाइन आरोपी पीड़ितों की पहचान करते हैं। पीड़ितों को बुरी तरह पीटा जाता था। कुछ रिपोर्ट हमारे साइबर विभाग और स्थानीय पुलिस स्टेशनों तक पहुंची। गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और स्थानीय पुलिस की मदद से हमने उन्हें बचाया।

आज से पुणे के औंध स्थित विदेशी प्रशिक्षण नोड में होगी युद्धाभ्यास की शुरुआत

'दस्तलिक' युद्धाभ्यास के जरिए अपना युद्ध कौशल दिखाएंगे भारत-उज्बेकिस्तान के रणबांकुरे

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) से लेकर जमीनी इलाकों तक जारी चीन की विस्तारवादी नीति के बीच भारत की विकासवादी सोच भी दुनिया के तमाम देशों में तेजी से प्रचलित हो रही है। इसका बेहतरीन उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है भारत और मध्य एशियाई देश उज्बेकिस्तान की सेनाओं के बीच होने वाला संयुक्त 'दस्तलिक-2025' युद्धाभ्यास। जिसकी शुरुआत मंगलवार से महाराष्ट्र के पुणे के औंध में मौजूद विदेशी प्रशिक्षण नोड में होगी। सूत्रों ने बताया कि इस वर्ष युद्धाभ्यास का छठा संस्करण आयोजित किया जा रहा है। यहां बता दें कि दस्तलिक युद्धाभ्यास का पांचवां संस्करण पिछले साल 2024 में उज्बेकिस्तान टर्मेज जिले में हुआ था।

14 दिनों तक चलेगा युद्धाभ्यास

सूत्रों ने बताया कि 15 अप्रैल से पुणे में शुरू हो रहे दस्तलिक युद्धाभ्यास के छठे संस्करण की कुल अवधि 14 दिनों की होगी। जिसमें युद्धाभ्यास 15 से 28 अप्रैल 2025 तक चलेगा। इसके जरिए भारत और उज्बेकिस्तान की सेनाओं के बीच न केवल आपसी सहयोग और सामंजस्य बढ़ेगा। बल्कि दोनों देशों के सैन्य और रणनीतिक संबंधों को भी मजबूती मिलेगी।

दस्तलिक का मुख्य उद्देश्य

दस्तलिक का मुख्य उद्देश्य सैन्य सहयोग को मजबूती प्रदान करना, संयुक्त क्षमताओं में वृद्धि और पर्वतीय और उप-नगरीय इलाकों में संयुक्त सैन्य अभियान का सफल संचालन करना है। इसके अलावा यह दोनों सेनाओं को शारीरिक तंदुरुस्ती, साझा योजना बनाने, रणनीतिक ड्रिल, विशेष युद्ध कौशल सहित जमीनी स्तर पर प्रभावी सहयोग को भी बढ़ाने में बेहद मददगार साबित होगा।

अच्छी आदतों, अनुभवों से मिलेगी सीख

दस्तलिक युद्धाभ्यास दोनों सेनाओं को अपनी अच्छी आदतों और अनुभवों को एक-दूसरे से साझा करने का अवसर प्रदान करता है। इससे दोनों सेनाओं के बीच संयुक्त अभियानों से जुड़ी हुई बेहतर रणनीति बनाने, तकनीक, प्रक्रिया, अंतर संचालनीयता और आपसी समझ में भी इजाफा देखने को मिलेगा। सैन्य सहयोग से इतर यह युद्धाभ्यास भारत और उज्बेकिस्तान के द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने और दोनों देशों की मित्रता को सशक्त करने में भी सहायक है।

उज्बेकिस्तान का रणनीतिक महत्व

मालूम हो कि उज्बेकिस्तान मध्य-एशिया का एक देश होने के अलावा क्षेत्र में भारत का एक महत्वपूर्ण रणनीतिक भागीदार है। जिसकी मदद से भारत को क्षेत्र में अपनी उपस्थिति मजबूत करने और शांति, स्थिरता को बढ़ावा देने में मदद मिलती है। सोवियत संघ (यूएसएसआर) के विघटन के बाद भारत दुनिया के उन चंद पहले देशों में शामिल है, जिसने उज्बेकिस्तान को बतौर स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता प्रदान की थी। 18 मार्च 1992 को भारत-उज्बेकिस्तान के बीच कूटनीतिक संबंध स्थापित हुए थे। दोनों देशों के बीच 2011 में रणनीतिक साझेदारी हुई। जिसके तहत व्यापक संस्थागत संवाद तंत्र बनाया गया है। यह राजनीतिक और आधिकारिक स्तर पर नियमित रूप से उच्च स्तरीय सहयोग, बैठकों को बढ़ावा देता है।

'डॉ. काजी ने अपनी रचनाओं से फिर जीता दिल'

इंदौर। ईद, गुड़ी पड़वा, महावीर जयंती, बैसाखी ओर डॉ भीम राव अंबेडकर जयंती जैसे उल्लास पर्व के पश्चात साहित्यिक संस्था श्री श्रीसाहित्य सभा एवं साहित्य संवाद संस्था द्वारा संयुक्त रूप से अग्रसेन धाम राधाकृष्ण मंदिर परिसर में काव्य गोष्ठी का सुन्दर आयोजन किया गया, जिसमें शहर के रचनाकारों ने शानदार काव्य पाठ कर गोष्ठी को सफलता के आयाम तक पहुँचाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं अध्यक्ष दोनों ही वरिष्ठ गीतकार-कवि श्री चकोर चतुर्वेदी थे। राधाकृष्ण मंदिर परिसर में रचनाकारों ने कृष्ण भक्ति पर केंद्रित रचनाएँ सुनाकर राधेकृष्ण के प्रति अपनी श्रद्धा शब्द पुष्पों से व्यक्त की। कार्यक्रम में मातृशक्ति ने अपनी रचनाओं से प्रभावित किया, डॉ. कृष्णा जोशी ने बेहतरीन काव्य पाठ किया, उन्होंने कृष्ण भगवान की सुन्दर भाव स्तुति की, तत्पश्चात श्रीमती वंदना मौर्या ने अपनी सुन्दर, सरल एवं अर्थपूर्ण रचनाओं का पाठ कर उपस्थित जनों का आशीर्वाद प्राप्त किया। शहर की बेहतरीन गजलकार श्रीमती राखी जैन साहिबा ने भी अपने मुक्तकों, गजलों एवं रचनाओं से अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया, उनकी रचनाएँ समसामयिक भी होती हैं। काव्य गोष्ठी में लगभग हर बार अपनी उर्जित उपस्थिति एवं श्रेष्ठ काव्य पाठ से सभी को प्रभावित करने वाले साहित्यकार एवं शाइर डॉ. वासिफ काजी ने इस बार भी भगवान श्री राम

एवं कृष्ण जी पर शानदार मुक्तक सुनाये, एक मुस्लिम व्यक्ति होने के उपरांत श्रीराम एवं श्रीकृष्ण के प्रति उनकी आसक्ति उनकी रचनाओं में देखने को मिली, डॉ. काजी ने माँ पर लिखी अपनी नज्म भी पढ़कर सभी को भावुक कर दिया, अध्यक्ष श्री चकोर दादा से भी उन्हें विशेष सराहना प्राप्त हुई। कार्यक्रम के अंत में डॉ. नरेंद्र उपाध्याय नैन साहब ने अपने सुन्दर गीत से सभी को भावविभोर कर दिया, उनके गीत में श्रृंगार, वात्सल्य एवं विरह तीन रसों के दर्शन हुए। कार्यक्रम के अंत में आभार संयुक्त रूप से चकोर चतुर्वेदी एवं डॉ. उपाध्याय ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में सभी के निवेदन पर गीतकार चकोर जी ने भी कुछ गजलों के अशआर पढ़े।

भूकंप के बाद ऑपरेशन ब्रह्मा के जरिए भारत ने म्यांमार को सबसे पहले मदद पहुंचाने की शुरुआत की थी

साइबर हमलों का शिकार हुए म्यांमार में राहत सामग्री ले जा रहे वायुसेना के विमान!

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

पिछले महीने के अंतिम सप्ताह में म्यांमार में आए विनाशकारी भूकंप के बाद भारत ने सबसे पहले अपने निकट पड़ोसी देश को मदद पहुंचाने के मकसद से ऑपरेशन ब्रह्मा की शुरुआत की थी। जिसके बाद तीनों सशस्त्र सेनाओं में शुमार भारतीय वायुसेना ने अपने विशालकाय परिवहन विमानों की कई उड़ानों के जरिए हजारों-टन राहत एवं बचाव सामग्री पहुंचाई। लेकिन इस दौरान वायुसेना के सी-130जे सुपर हरक्यूलिस और सी-17 ग्लोबमास्टर जैसे विमानों को साइबर हमलों से भी दो चार होना पड़ा था। जिसे तकनीकी भाषा में ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम 'जीपीएस स्पूफिंग' कहा जाता है।

जानकारों ने दुश्मनों की साजिश बताया

सूत्रों ने बताया कि दोनों विमानों के पायलटों ने उड़ान के दौरान भ्रामक जीपीएस सिग्नलों की शिकायत की, जिससे नेविगेशन प्रणाली गड़बड़ा गई। सुरक्षा मामलों के जानकार इसे दुश्मनों की साजिश बता रहे हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि ये एक प्रकार का साइबर हमला होता है। जिसमें भ्रामक जीपीएस सिग्नल जनरेट किए जाते हैं। जो विमान के नेविगेशन सिस्टम को गुमराह कर उसके लिए खतरा पैदा करते हैं। उनका ये भी कहना है कि अगर ऐसी घटनाएं विदेशी वायुसीमा (एयरस्पेस) के अंदर होती हैं। तो उनकी जांच पड़ताल करना संभव नहीं होता है। उधर, भारतीय वायुसेना की तरफ से अभी तक इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की गई है।

छह विमानों से भेजी गई राहत सामग्री

भारत ने अब तक कुल करीब छह विमानों के जरिए म्यांमार को राहत एवं बचाव सामग्री भेजी है। इसमें भूकंप प्रभावितों इलाकों में लोगों को बचाने के लिए राहत सामग्री के साथ ही राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और भारतीय सेना की मेडिकल टीम की जरूरी उपकरणों के साथ की गई रवानगी मुख्य रूप से शामिल है। सूत्रों ने कहा कि 28 मार्च 2025 को म्यांमार में भूकंप आने के दूसरे दिन यानी 29 मार्च को वायुसेना के जिस सी-130जे विमान के जरिए राहत सामग्री की पहली खेप भेजी गई थी। उसके पायलट ने म्यांमार की वायुसीमा में जीपीएस स्पूफिंग की शिकायत की थी। साथ ही इसके बाद उसने तुरंत बैकअप सिस्टम को भी सक्रिय किया था। जिससे इनर्शियल नेविगेशन सिस्टम के नाम से जाना जाता है।

मांडले, यंगून व नेपीताव गए थे विमान

वायुसेना के कुल छह विमानों ने म्यांमार के यंगून, नेपीताव और मांडले में लैंडिंग की थी। पांच विमान 29 से 30 मार्च के बीच यंगून और नेपीताव में लैंड हुए थे। जबकि एक अन्य विमान मांडले में उतरा था। जब पहले विमान के पायलट ने जीपीएस स्पूफिंग की शिकायत की। तो बाकी के पायलट सतर्क हो गए थे। यहां बता दें कि मांडले म्यांमार का भूकंप से सर्वाधिक प्रभावित वह इलाका है। जहां भारतीय सेना अपने 118 बेड के अस्थायी आपातकालीन अस्पताल के जरिए चौबीसों घंटे प्राकृतिक आपदा का शिकार हुए आम म्यांमारी लोगों को मदद पहुंचाने में लगी हुई है।

पंजाब में 50 हथगोले आए 18 का उपयोग विस्फोटों में हो चुका 32 बाकी

बाजवा के बयान पर पुलिस ने हकीकत पूछी तो शुरू हो गई राजनीति

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता प्रताप सिंह बाजवा द्वारा हाल ही में दिए गए एक विवादित बयान ने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है। बाजवा ने एक टीवी साक्षात्कार में दावा किया था कि पंजाब में 50 हथगोले (ग्रेनेड) आए हैं, जिनमें से 18 का उपयोग विस्फोटों में हो चुका है और 32 अभी बाकी हैं। इस बयान के बाद पंजाब पुलिस ने उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की, और उन्हें पूछताछ के लिए नगर पुलिस ने तलब किया। इस मामले में अब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार पर तीखा हमला बोला, इसे धमकी और बदनाम करने की रणनीति करार दिया।

कानूनी कार्रवाई की जाएगी: सीएम मान

सूबे के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने स्पष्ट कहा कि बाजवा या तो अपने आरोप के सच को पुलिस के समक्ष सत्य साबित करें ताकि कार्रवाई की जा सके, नहीं तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पंजाब सरकार और पुलिस ने बाजवा के बयान को गंभीरता से लिया। सोमवार को को बाजवा को साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन, पूछताछ के लिए बुलाया गया। बाजवा ने पुलिस के साथ सहयोग किया, लेकिन अपने सूत्रों का खुलासा करने से इनकार कर दिया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 14 अप्रैल 2025 को एक बयान जारी कर पंजाब की आप सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि आप सरकार भ्रष्ट नेतृत्व के चलते घबराई हुई है और बाजवा के खिलाफ धमकी, बदनामी, और डराने की रणनीति अपना रही है। रमेश ने कहा कि बाजवा का बयान पंजाब की सुरक्षा और जनता की भलाई के लिए था, पंजाब की आप सरकार इसे राजनीतिक हथियार बना रही है। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक मूल्यों पर हमला करार दिया और पुलिसिया कार्रवाई को निंदनीय बताया। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बाजवा के बयान को गैर-जिम्मेदाराना और डर फैलाने वाला करार दिया। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर बाजवा के पास ऐसी संवेदनशील जानकारी थी, तो उन्होंने तुरंत पुलिस को क्यों नहीं सूचित किया। मान ने यह भी पूछा कि क्या बाजवा के पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों से सीधे संपर्क में हैं।

डॉ भीमराव अंबेडकर जी की 134वीं जयंती उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर हर्षोल्लाह से मनाई

मुंबई हलचल/संवाददाता

बाकानेर। डॉ भीमराव अंबेडकर जी की 134 वीं जयंती ग्राम रनगांव के सैनिक अरविंद निगवाल के मुख्य अतिथि में मनाई अरविंद निगवाल जम्मू कश्मीर में शासकीय सैनिक के रूप में अपनी सेवा दे रहे हैं कार्यक्रम में प्रेस क्लब ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट के राष्ट्रीय सदस्य सैयद रिजवान अली वरिष्ठ कांग्रेस नेता विधायक प्रतिनिधि टीकम डावर, वरिष्ठ भाजपा नेता ओम ठाकुर बाकानेर भाजपा मंडल अध्यक्ष अरविंद तंवर जनपद प्रतिनिधि ललित चौहान, अजा मोर्चा मंडल अध्यक्ष गोकुल, सरपंच भूवादा जूवान सिंह बघेल, सरपंच

रंनगांव, राकेश सोलंकी, श्री सिसोदिया, रमेश निगवाल, सुरेश बेनल मनोज बेनल, भारत चौहान पूर्व सरपंच कैलाश, दिलीप पटेल पंकज डावर मन्नालाल डावर, महेश चौहान इकबाल मुंडा, निलेश कनेल, कान्हा ठाकुर, धुर्वे दरबार, विष्णु राठौर, प्रदीप भालके, पुलिस चौकी सहायक निरीक्षक गोरेलाल शुक्ला मौजूद रहे, सभी ने डॉ भीमराव जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। ग्राम पंचाया की ओर से स्वल्पाहार और मिठाई खिलाई, संचालन रोजगार सहायक जितेंद्र ग्वाले ने किया, आभार सरपंच राकेश सोलंकी ने माना।

दुबई में रह रही पत्नी और उसके प्रेमी की धमकियां... उत्पीड़न से तंग आकर शख्स ने खा लिया जहर

जूनागढ़। गुजरात के जूनागढ़ में एक शख्स ने कथित तौर पर अपनी पत्नी और उसके प्रेमी के उत्पीड़न से तंग आकर खुद की जान ले ली। यहां के बंथली रोड पर वाडला क्रॉसिंग के नजदीक दीपक अग्रावत नाम के व्यक्ति ने खुदकुशी कर ली। मृतक ने जहरीली दवा पीकर मरने से पहले सुसाइड नोट भी लिखा जिसमें उसने अपनी पत्नी दक्षा ओर उसके प्रेमी श्याम शाह को अपनी मौत का जिम्मेदार ठहराया है। इस घटना की जांच कर रहे डीवाईएसपी हितेश धांधलियां ने बताया कि 44 साल के दीपक अग्रावत की पत्नी दुबई में केर टेकर की नौकरी करती है। जबकि उसका प्रेमी श्याम शाह अहमदाबाद में रहता है, दोनों के प्रेम संबंध के बारे में दीपक भाई को व्हाट्सएप से पता चल गया था। दीपक भाई ने कई बार दक्षा बेन को समझाया पर वो वापिस दुबई चली गई। सुसाइड नोट के अनुसार दक्षा और श्याम शाह दीपक को बार-बार फोन पर जान से मार डालने की धमकी दे रहे थे और मानसिक तौर पे परेशान कर रहे थे।इसी सबसे परेशान होकर दीपक अग्रावत ने खुदकुशी कर ली है। इधर, दीपक अग्रावत के बेटे मोहित अग्रावत ने अपनी माता दक्षा बेन और श्याम शाह दोनों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

चीन के आयात में 4.3 प्रतिशत की गिरावट आई

अमेरिकी शुल्क में बढ़ोतरी के बाद चीन का निर्यात 12.4 प्रतिशत बढ़ा, आयात में गिरावट

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

चीन के निर्यात में मार्च में सालाना आधार पर 12.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वहीं इसी अवधि में आयात में 4.3 प्रतिशत की गिरावट आई है। अमेरिका के चीन से आयातित वस्तुओं पर शुल्क में बढ़ोतरी के बीच सरकार ने सोमवार को यह जानकारी दी।

विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से निर्यात 2025 के पहले तीन (जनवरी-मार्च) महीनों में सालाना आधार पर में 5.8 प्रतिशत बढ़ा, जबकि आयात में सात प्रतिशत की गिरावट आई। चीन का अमेरिका के साथ व्यापार अधिशेष मार्च में 27.6 अरब डॉलर रहा, जबकि इसके निर्यात में 4.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

चीन पर अमेरिका ने 145 फीसदी शुल्क लगाया

वर्ष की पहली (जनवरी-मार्च) तिमाही में अमेरिका के साथ चीन का व्यापार अधिशेष 76.6 अरब डॉलर रहा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापार नीतियों में हाल ही में किए गए संशोधनों के अनुसार चीन को अमेरिका को किए जाने वाले अधिकतर निर्यातों पर 145 प्रतिशत शुल्क का सामना करना पड़ रहा है।

विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है चीन

वियतनाम में चीन का निर्यात बढ़ा

हालांकि पिछले हफ्ते अमेरिका ने इस फैसले को 90 दिन के लिए टाल दिया था। वियतनाम में पिछले महीने चीन का निर्यात सालाना आधार पर लगभग 17 प्रतिशत बढ़ा, जबकि इसके आयात में 2.7 प्रतिशत की गिरावट आई। हालांकि, शी की यात्रा पहले से ही निर्धारित थी लेकिन अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध के चलते यह महत्वपूर्ण हो गई है।

- चीन का अमेरिका के साथ व्यापार अधिशेष 27 .6 अरब डॉलर रहा
- चीन के निर्यात में सबसे अधिक वृद्धि दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों से

वैश्विक आयात में चीन की हिस्सेदारी 10.5 फीसदी

चीनी आयात में गिरावट के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने पत्रकारों से कहा कि चीन लगातार 16 वर्षों से दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा आयातक रहा है, जिसने वैश्विक आयात में अपनी हिस्सेदारी लगभग आठ प्रतिशत से बढ़ाकर 10.5 प्रतिशत कर ली है। उन्होंने कहा, " वर्तमान में और भविष्य में चीन का आयात वृद्धि क्षेत्र बहुत बड़ा है और बड़ा चीनी बाजार हमेशा दुनिया के लिए एक बड़ा अवसर है।"

अफ्रीका को निर्यात 11 फीसदी बढ़ा

निर्यात में सबसे अधिक वृद्धि चीन के दक्षिण-पूर्वी एशियाई पड़ोसियों से हुई जहां मार्च में चीन से निर्यात में सालाना आधार में करीब 17 प्रतिशत बढ़ोतरी हुई। अफ्रीका को निर्यात 11 प्रतिशत से अधिक बढ़ा है।

चीन गंभीर स्थिति का सामना करने तैयार

सीमा शुल्क प्रशासन के प्रवक्ता ल्यू डालियांग ने कहा कि चीन " जटिल व गंभीर स्थिति " का सामना कर रहा है, लेकिन वह घुटने नहीं टेकेगा। उन्होंने चीन के विविध निर्यात विकल्पों और विशाल घरेलू बाजार की ओर इशारा करते हुए यह बात कही।

चीन के राष्ट्रपति मलेशिया व कंबोडिया जाएंगे

चीन के राष्ट्रपति शी शिनफिंग सोमवार को क्षेत्रीय दौरे के तहत वियतनाम की यात्रा पर जा रहे थे। वह मलेशिया और कंबोडिया भी जाएंगे। इससे उन्हें अन्य एशियाई देशों के साथ व्यापार संबंधों को मजबूत करने का अवसर मिलेगा, जो संभावित रूप से भारी शुल्क का सामना कर रहे हैं।

वाराणसी की गैंगरेप पीड़िता निकली 'हेपेटाइटिस बी' से संक्रमित, पुलिस अब सभी 13 आरोपियों का कराएगी मेडिकल!

वाराणसी। वाराणसी में 19 साल की गैंगरेप पीड़िता हेपेटाइटिस-बी से संक्रमित निकली है। जांच में पीलिया (जॉन्डिस) की पुष्टि हुई, जिसके कारण उसे कई दिनों से कमजोरी महसूस हो रही थी। डॉक्टरों के अनुसार, पीड़िता पिछले एक महीने से अधिक समय से इस बीमारी से पीड़ित है। वर्तमान में उसका इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है, और उसकी स्थिति में सुधार हो रहा है। पीड़िता के पिता ने बताया कि डॉक्टरों ने उनकी बेटी को तेल, मसाले, और मिर्च से परहेज करने की सलाह दी है। अस्पताल ने घर का खाना लाने पर भी रोक लगा दी है। पीड़िता को अस्पताल की तरफ से दिया गया सादा भोजन ही खाना पड़ रहा है, जो उसे पसंद नहीं है, जिसके चलते वह चिड़चिड़ी हो गई है। इस बीच, हेपेटाइटिस-बी के संक्रमण की पुष्टि के बाद पुलिस सभी आरोपियों की मेडिकल जांच कराने पर विचार कर रही है। लालपुर-पांडेयपुर

थाना पुलिस ने इस मामले में एक और आरोपी, सिगरा क्षेत्र के लल्लापुरा, बड़ा चकरा निवासी मोहम्मद शाहबाज को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चार अन्य संदिग्धों की पहचान की है, जिन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। इस मामले में अब तक कुल 13 आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। बता दें कि बीते 29 मार्च को खजूरी इलाके से पीड़िता अपने एक साथी के साथ गई थी। 4 अप्रैल को पुलिस ने उसे चौकाघाट क्षेत्र से बरामद किया। इसके बाद पीड़िता ने अपने साथ गैंगरेप की घटना का खुलासा किया। उसकी मां ने लालपुर-पांडेयपुर थाने में 11 नामजद और 12 अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराया था। पिछले शुक्रवार को अपने 50वें दौरे पर वाराणसी पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस मामले का संज्ञान लिया। उन्होंने एयरपोर्ट पर ही वाराणसी पुलिस आयुक्त, मंडलायुक्त, और जिला मजिस्ट्रेट से जानकारी मांगी और कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद पुलिस और प्रशासन ने अपनी सक्रियता बढ़ा दी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मानसून में खाएंगे ये 6 सब्जियां तो कभी नहीं होंगे बिमार

चिलचिलाती धूप से राहत दिलाती बारिश हर किसी को बहुत पसंद होती है। मगर यह मौसम अपने साथ बहुत सारी बीमारियों को लेकर आता है। इस मौसम में गंदे बैक्टिरियां बहुत जल्दी फैलते हैं जो हमें बीमार कर देते हैं। ऐसे में स्वस्थ रहने के लिए मानसून में अपनी सही डाइट का होना बहुत जरूरी होता है। क्योंकि कुछ भी गलत खाने से पेट खराब, सर्दी-झुकाम जैसी समस्याएं होने लगती हैं। हैल्दी रहने के लिए अपनी डाइट में इन हरी सब्जियों को जरूर शामिल करें।

1. लौकी
लौकी यानी घीरा मानसून की सब्जी है। इसमें विटामिन्स, आयरन, फाइबर पाया जाता है, जो शरीर को स्वस्थ रखने का काम करते हैं। जो लोग अपना वजन घटाना चाहते हैं उनके लिए लौकी किसी औषधि से कम नहीं। वजन कम करने के साथ ही लौकी चेहरे पर नेचुरल ग्लो, डायबिटीज से बचाव, पाचन तंत्र को मजबूत करने का काम भी करता है।

2. करेला
करेले का नाम सुनते ही लोग मुंह बनाने लगते हैं। करेला खाने में जितना कड़वा होता है सेहत के लिए उतना ही फायदेमंद है। इसमें ढेर सारे विटामिन्स और खनीज खून साफ करने, डायबिटीज को कंट्रोल करने, पेट संबंधित समस्यों को दूर करने का काम करते हैं। हफ्ते में कम से कम 3 बार तो करेला खाना चाहिए।

3. परवल
बारिश के मौसम में अक्सर लोगों को सर्दी-खांसी की समस्या होने लगती है। सर्दी-खांसी को दूर करने के लिए परवल की सब्जी खाएं। परवल की सब्जी खाने से स्किन इंफैक्शन दूर होने के साथ ही चोट भी जल्दी भर जाती है। इसमें ऐंटीऑक्सिडेंट, विटामिन ए और सी की अधिकता होती है, जिससे हमारा इम्यून सिस्टम मजबूत बनता है।

4. ग्वार फली
ग्वार फली में प्रोटीन, घुलनशील फाइबर और विटामिन के, सी और ए भरपूर मात्रा में होते है। इसके अलवा फॉस्फोरस, कैल्शियम, आयरन और पोटेशियम भी होता जो दिल को स्वस्थ रखने, डायबिटीज को कंट्रोल करने, पाचन तंत्र मजबूत करने, ब्लड प्रैशर को ठीक रखने का काम करता है।

5. भिंडी
गर्मियों में भिंडी की सब्जी बहुत पौष्टिक मानी जाती है क्योंकि इसमें प्रोटीन, वसा, फाइबर, काबोर्हाइट्रेड, कैल्शियम, फास्फोरस, आयरन, मैग्नीशियम और पोटेशियम आदि पोषक तत्व पाए जाते हैं। डायबिटीज के रोगी के लिए भिंडी काफी फायदेमंद है क्योंकि इसमें मौजूद सॉल्युबल फाइबर ग्लूकोज को ब्लड में घुलने की प्रक्रिया को धीमा कर देती है जिससे ब्लड में शुगर लेवल कम होता है। इसके अलावा फाइबरयुक्त भोजन खाने से पाचन क्रिया दुरूस्त रहती है और आंतो में जमी गंदगी भी साफ हो जाती है।

6. टिंडा
खाने में टेस्टी टिंडे सेहत के लिहाज से भी हैल्दी होते हैं। इनमें कई एंटीइंफ्लेमेट्री एजेंट्स होते हैं, जो आपको हार्ट बर्न, एसिडिटी और डाइजेशन की समस्या से निजात दिलाते हैं।

कच्चा पनीर खाने के 10 फायदे, किस समय खाना है सबसे बेस्ट?

पनीर खाना तो हर किसी को पसंद होता है। स्वाद में टेस्टी होने के साथ यह सेहत के लिए बहुत अच्छा होता है लेकिन आप जानते है कि रोजाना कच्चा पनीर खाने के आपकी कई बीमारियां दूर हो जाती है। प्रोटीन, वसा, कैल्शियम, प्रोटीन, फॉस्फोरस, फोलेट और कई न्यूट्रीएंट्स से भरपूर पनीर का सेवन न सिर्फ शुगर को कंट्रोल में रखता है बल्कि इससे मानसिक तनाव भी दूर होता है। तो चलिए जानते हैं सही समय पर पनीर खाने से आपको क्या-क्या फायदे होते हैं। कच्चे पनीर का सेवन नाश्ता और लंच करने से 1 घंटा पहले करें। इससे आप दिनभर ओवरइटिंग से बचे रहते हैं। एक्सरसाइज के कुछ घंटों बाद भी पनीर का सेवन फायदेमंद होता है। इसके अलावा रात को सोने से 1 घंटा पहले भी पनीर का सेवन करें। क्योंकि सोते समय शरीर को खाना डाइजेस्ट करने के लिए प्रोटीन की सबसे ज्यादा जरूरत होती है और इसमें भरपूर प्रोटीन होता है।

कच्चा पनीर खाने के फायदे

1. मजबूत हड्डियां
कच्चे पनीर में कैल्शियम और फॉस्फोरस होता है। इसलिए रोजाना इसका सेवन हड्डियों को मजबूत बनाता है। इसके साथ ही इसे खाने से जोड़ों के दर्द से भी आराम मिलता है।

2. फाइबर से भरपूर
फाइबर की कमी होने पर आपको कमजोर इम्यून सिस्टम, बावसीर, कोलेस्ट्रोल, कब्ज और शुगर लेवल बढ़ना जैसी प्रॉब्लम का सामना करना पड़ सकता है। अगर आपके शरीर में फाइबर की कमी है तो रोज इसका सेवन करें। दिन में कम से कम 1 बार कच्चा पनीर खाने से आपके शरीर में फाइबर की कमी पूरी हो जाएगी।

3. मजबूत पाचन क्रिया
कच्चा पनीर खाने से आपका पाचन तंत्र दुरुस्त रहता है, जिससे आप पेट से जुड़ी समस्याओं से बचे रहते हैं।

4. डायबिटीज मरीजों के लिए

कच्चे पनीर में ओमेगा-3 फैटी एसिड पाया जाता है, जोकि डायबिटीक पेशेंट के लिए बहुत फायदेमंद होता है। रोजाना इसका सेवन करने से आपकी शुगर कंट्रोल में रहती है।

5. मानसिक तनाव
दिनभर काम करने के बाद स्ट्रेस और थकावट होना तो आम है लेकिन 1 बाउल कच्चा पनीर खाने से आपकी सारी थकावट दूर हो जाती है। इसलिए जब भी आपको स्ट्रेस या थकावट महसूस हो, कच्चे पनीर का सेवन करें।

6. शारीरिक कमजोरी
प्रोटीन के साथ-साथ इसमें कई पोषक तत्व पाएं जाते हैं। इसलिए रोज कच्चा पनीर खाने से आपके शरीर की कमजोरी दूर होती है। इसके अलावा इसका सेवन मांसपेशियों को भी स्थिर रखता है।

7. मोटापे से छुटकारा
प्रोटीन और कैल्शियम के अलावा कच्चे पनीर में लीनोलाइक एसिड भी काफी मात्रा में पाया जाता है। इससे शरीर में फैट बर्निंग प्रॉसेस तेज होता है, जिससे आपको वजन कम करने में मदद मिलती है। इसलिए अपनी डाइट प्लान में कच्चा पनीर जरूर शामिल करें।

8. कैंसर से बचाव
आपको जानकर हैरानी होगी लेकिन कच्चे पनीर का सेवन कैंसर के खतरे को कम करता है। रोजाना कच्चा पनीर खाने से शरीर में कैंसर सेल्स की ग्रोथ रूक जाती है, जिससे आप आप इसके खतरे से बचे रहते हैं।

9. दांत बनाए मजबूत
प्रोटीन और कैल्शियम होने के कारण इसका सेवन दांतो को मजबूत बनाता है। इसके अलावा इससे आप दांतों से खून आना, कैविटी और दांतों में दर्द से भी बचे रहते हैं।

10. दिल की बीमारियों को रखें दूर
इसका सेवन धमनियों में होने वाली रूकावट को भी रोकता है, जिससे दिल की कई बीमारियों का खतरा कम हो जाता है। इसके अलावा इससे शरीर का कोलेस्ट्रॉल लेवल भी कंट्रोल में रहता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

ड्रग्स एडिक्शन के आरोपों से टूट गई थी ईशा देओल

ईशा देओल इस समय तुमको मेरी कसम फिल्म की वजह से सुर्खियों में हैं। ईशा देओल ने इस फिल्म के माध्यम से बॉलीवुड में कमबैक किया है। करीब 14 साल बाद वह फिल्मों में वापसी करते हुए नजर आई हैं। तो वहीं दूसरी तरफ मां हेमा मालिनी की बायोग्राफी में उन्होंने बड़ा खुलासा किया है। जिसमें उन्होंने बताया कि एक बार उन पर ड्रग एडिक्शन का आरोप लग गया था। जिस वजह से हेमा मालिनी भी हैरान रह गई थी, उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने जिंदगी में ड्रग्स को छुआ तक नहीं है, उस आरोप की वजह से वह डिप्रेशन में चली गई थी। कमल मुखर्जी द्वारा लिखी गई हेमा मालिनी की बायोग्राफी में ईशा देओल ने इस बारे में खुलकर बात की है। इसमें लिखा है, मैं यह कहना चाहूंगी कि मैं ड्रग्स के सख्त खिलाफ हूं मैंने कभी इसे छुआ तक नहीं है। जब वह आर्टिकल मेरे सामने आया मैं इतनी उदास और हर्ट हुई कि मैंने अपनी मां से यह तक कह दिया कि मेरा ब्लड टेस्ट करवा लो। ईशा देओल उस आर्टिकल के बारे में बात कर रही है जिसमें ईशा देओल की ड्रग्स एडिक्ट होने का दावा किया गया था। ईशा देओल ने आगे कहा कि मैं कभी ऐसा कुछ नहीं करती, जिससे मेरे माता-पिता को शर्म आए। ईशा देओल ने यह बताया कि वह दोस्तों के साथ पार्टी करती हैं, ड्रिंक लेती हैं। लेकिन कभी भी उन्होंने ड्रग्स को हाथ तक नहीं लगाया है।

तारक मेहता का उल्टा चश्मा में दयाबेन की होगी वापसी

तारक मेहता का उल्टा चश्मा में दयाबेन की वापसी होगी या नहीं यह सवाल लोगों का सिरदर्द बन गया था। जिसके बाद असित मोदी ने बयान दिया था कि दयाबेन की वापसी नहीं होने वाली है और ना ही दयाबेन के किरदार में कोई नया कलाकार आएगा। मामला जैसे ही शांत हुआ, अब असित मोदी की तरफ से बयान सामने आया है कि दयाबेन के किरदार की शो में जल्द ही वापसी हो सकती है। तारक मेहता का उल्टा चश्मा की पूरी टीम को वापस लाने पर काम किया जा रहा है। इतना ही नहीं उन्होंने यह भी बताया दयाबेन के किरदार के लिए भी कुछ कलाकारों का चुनाव किया गया है। दयाबेन के किरदार की वापसी की खबर के साथ ही फैंस खुश हुए हैं, लेकिन नया कलाकार कौन होगा यह जानने के लिए लोग उत्सुक हो गए हैं। असित मोदी के इस बयान को उनका यू-टर्न बताया जा रहा है। क्योंकि इससे पहले उन्होंने दया बेन के किरदार की वापसी को सिरे से खारिज किया था। दयाबेन के किरदार को वापस लाने की बात स्वीकार की है और बताया है कि लोगों का मानना यह है कि दयाबेन के जाने के बाद शो उन्हें पसंद नहीं आ रहा है और मैं उनकी भावना से पूरी तरह से सहमत हूं। हमारी टीम जल्द ही दयाबेन के किरदार को शो में वापस लाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि मैंने उस भूमिका के लिए कुछ लोगों का चुनाव भी किया है जिनसे आप जल्द ही मिल सकेंगे।

हॉलीवुड की कॉमेडी फिल्म में प्रियंका चोपड़ा

बॉलीवुड की देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा जल्द ही हॉलीवुड की कॉमेडी फिल्म में नजर आएंगी। फिल्म के नाम का ऐलान अभी नहीं हुआ है, लेकिन इस फिल्म का नाम पहले जजमेंट डे रखा गया था। यह फिल्म एक युवा अपराधी पर केंद्रित है जो जेल से बाहर निकलता है और एक कोर्ट रूम को बंधक बना लेता है, क्योंकि उसे लग रहा है कि उसके खिलाफ गलत फैसला लिया गया, जिससे उसकी लाइफ खराब हो गई है। इस फिल्म में प्रियंका चोपड़ा अहम भूमिका में नजर आने वाली हैं हॉलीवुड की अपकमिंग कॉमेडी फिल्म में प्रियंका चोपड़ा के साथ माइकल पीना और जैक एफ्रोन नजर आने वाले हैं।

जैक एफ्रोन की अगर बात करें तो वह बेवॉच में प्रियंका चोपड़ा के साथ पहले भी नजर आ चुके हैं। जबकि माइकल पीना हॉलीवुड की कई फिल्मों में दमदार अभिनय के लिए पहचाने जाते हैं। प्रियंका चोपड़ा ने खुद अपने इंस्टा स्टोरी पर इस बात की जानकारी शेयर की है कि वह हॉलीवुड की फिल्म में माइकल पीना और जैक एफ्रोन साथ काम करने वाली हैं। हालांकि प्रियंका चोपड़ा का किरदार क्या होगा, इसके बारे में अधिक जानकारी नहीं मिली है। लेकिन इस फिल्म में प्रियंका चोपड़ा के साथ जैक एफ्रोन और माइकल पीना के अलावा विल फेरेल भी नजर आएंगे।